यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग -4

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 15.09.2024)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- **20**

1. तुब्भेहिं ..... देवसियं।
2. चउण्हं ..... सावगधम्मस्स।
3. हीणक्खरं ..... घोसहीणं।
4. दंसणसम्मत्त ..... वावि।
5. बंधे ..... भंतपाणवोच्छेए।
6. कन्नालिए ..... णासावहारो।
7. सदारसंतोसिए ..... पच्चक्खामि।
8. भक्खविहिं ..... विगयविहि।
9. अवज्झाणायरिए ..... पावकम्मोवएसे

10. अप्पडिलेहिए .....सेज्जासंथारए।

11. जं पिय ..... पियं।

12. तस्स धमस्स .....आराहणाए।

13. सवस्स ..... धम्मनिहिय चित्तो।

14. तिविहेणं .....चउव्वीसं।

15. शासन .....जिणदं।

16. ऋषभ .....उजियाराजी।

17. णमोत्थुणं .....धम्मोवएसगस्स।

18. गंठिसहियं .....पोरिसियं।

19. आचारांग .....समवायांग।

20. णाणसंपणया .....वेयण।

प्रश्न 2. अंकों में उत्तर दीजिए– **10**

1. अरिहंत भगवान .....लक्षण के धारक।

2. सिद्ध भगवान .....कर्मों को क्षय करके मोक्ष पहुंचे है।

3. आचार्य की .....संपदा है।

4. उपाध्याय जी महाराज .....अंग के जानकार।

5. साधु जी .....आचार पालें।

6. साधु जी .....अनाचार के त्यागी।

7. साधु जी .....महामोहनीय कर्म को त्यागने वाले।

8. श्रावक .....गुण करके युक्त।

9. चउरिन्द्रिय की .....लाख योनि।

10. श्रावक .....नियम चितारे।

प्रश्न 3

1. प्रतिक्रमण किसका किया जाता है? 1

(अ) मिथ्यात्व (ब) अव्रत (स) प्रमाद (द) कषाय (य) अशुभ योग का

2. तीसरे आवश्यक का क्या नाम है? 1

(अ) सामायिक (ब) वंदना (स) काउसग्ग (द) पच्चखाण

3. संवत्सरी के दिन कितने लोगस्स का ध्यान करते है? 1

(अ) 4 (ब) 8 (स) 12 (द) 20

प्रश्न 4. जोड़ी मिलाओ- **5**

1. शुश्रुषा - अ. दूषण .....
2. शंका - ब. भूषण .....
3. वंदना - स. लिंग .....
4. भक्ति - द. लक्षण .....
5. निर्वेद - य. यतना .....

प्रश्न 5. गलत शब्द काट दिजिये- **5**

1. जीव द्रव्य नित्य शाश्वत/अशाश्वत है। .....
2. जीव आठ कर्मो का भोक्ता/ कर्त्ता है। .....
3. चारित्र रूपी वृक्ष की सम्यक्त्व रूपी फाटक/ मूल जड़ है। .....
4. कठिन तपस्या करके जिनमत को दीपाने वाले-विद्यमान/तपस्वी। .....
5. भक्ति सेवा बहुमान करना आगार/विनय कहलाता है। .....

प्रश्न 6. खाली स्थान को पूर्ण करें- **5**

1. तीर्थंकर पद प्राप्ति के कितने बोल है?

अ. 15 ब. 16 स. 18 द. 20

2. तीर्थंकर पद प्राप्ति के बोल किसके आधार से है?

(अ.) उत्तराध्ययन सूत्र (ब.) श्रीमद् ज्ञाताधर्मकथा (स.) श्री भगवती सूत्र (द.) श्री दशवैकालिक सूत्र

3. तीर्थंकर नाम कर्म बंधते है-सही गलत **5**

1. सिद्ध भगवान की भक्ति करने से .....
2. गुरु महाराज की भक्ति करने से .....
3. बहुश्रुत मुनिराज की भक्ति करने से .....
4. प्रवचन की भक्ति करने से .....
5. तपस्या की भक्ति करने से .....
6. नवीन ज्ञान का अभ्यास करने से .....
7. त्याग वृत्ति रखने से .....

8. रत्नाधिकों की विनय भक्ति नहीं करने से .....

प्रश्न 7. पुण्यान को पात्र उत्तम सामग्री 10 प्रकार की है कोई-5 लिखिए। **5**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 8. उचित शब्दों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये- **10**

1.विभूति 2. तितिक्षा 3. समता 4. लब्धि 5. कृष्ण महाराज 6. 84 7. चैत्र कृष्ण अष्टमी 8. श्रीमद् भगवत गीता 9. आर्य 10. भागवत

2. आदिनाथ भगवान की दीक्षा .....को हुई।

3. भगवान ऋषभदेव जैन धर्म के नहीं विश्व की .....थे।

4. भगवान ऋषभदेव के .....गणधर थे।

5. भगवान ऋषभदेव को .....में साक्षात् ईश्वर कहा है।

6. ऋग्वेद, विष्णुपुराण, अग्निपुराण .....आदि वैदिक साहित्य में भी उनका गुण किर्तन आदर के साथ किया जाता है।

7. भगवान महावीर अर्जुन को शिक्षा मंत्र दिया था .....ही परम धर्म है।

8. अर्जुन जन्म से .....थे।

9. भगवान महावीर ने संस्कार शुद्धि से क्रुरता के दैत्य को .....का देवता बनाया।

10. ढंढण मुनि को मोदक .....के प्रभाव से मिले।

प्रश्न 9. पूर्ण कीजिए- **16**

1. वक्तुं .....

.....बुद्धयां

2. अरिहंत .....

.....जिनधर्म उतमं।

3. जराकर्म .....

.....एतबार है।

4. दीन दुःखी .....

.....प्रणाम।

5. शुभ केलि .....

.....काम हो।

6. संसार ठगने .....

.....का दिया।

7. बुद्धस्त्वमेंव .....

.....शंकरत्वात्।

8. माता पिता .....

.....लीलावली।

प्रश्न 10. सही गलत बताइये– **12**

1. बिना विचारे काम करने वाला नील लेश्या का परिणाम है। ( )
2. सिद्ध भगवान सलेशी होते है। ( )
3. संथारा लेने वाला खुले मुंह बोल सकता है। ( )
4. संथारा लेने वाला तत्काल मरना चाहता है। ( )
5. वनस्पति में 4 लेश्या होती है। ( )
6. तितिक्षा ही परम धर्म है। ( )
7. जैन धर्म में जीने व मरने दोनों की कला बताई है। ( )
8. संथारा लेने वाले सांसारिक, पारिवारिक, व्यापारिक कोई भी कार्य कर सकते है। ( )
9. ज्योतिषी में तेजो लेश्या होती है। ( )
10. पांच आश्रव को छोड़ने वाला कृष्ण लेशी होता है। ( )
11. छलपूर्वक बर्ताव करने वाला जीव कापोत लेशी होता है। ( )
12. आत्म हत्या दण्डनीय अपराध है। ( )

प्रश्न 13. पूरा करो– **1**

क्षण–क्षण .....

.....

.....ना आय।